राबड़ी के चुनाव क्षेत्र की व्यथा कथा

21 फरवरी 2005

आउटलुक
साप्ताहिक

आमंत्रण मूल्य 10 रुपये

भाजपा पर मुलायम की मेहरबानी

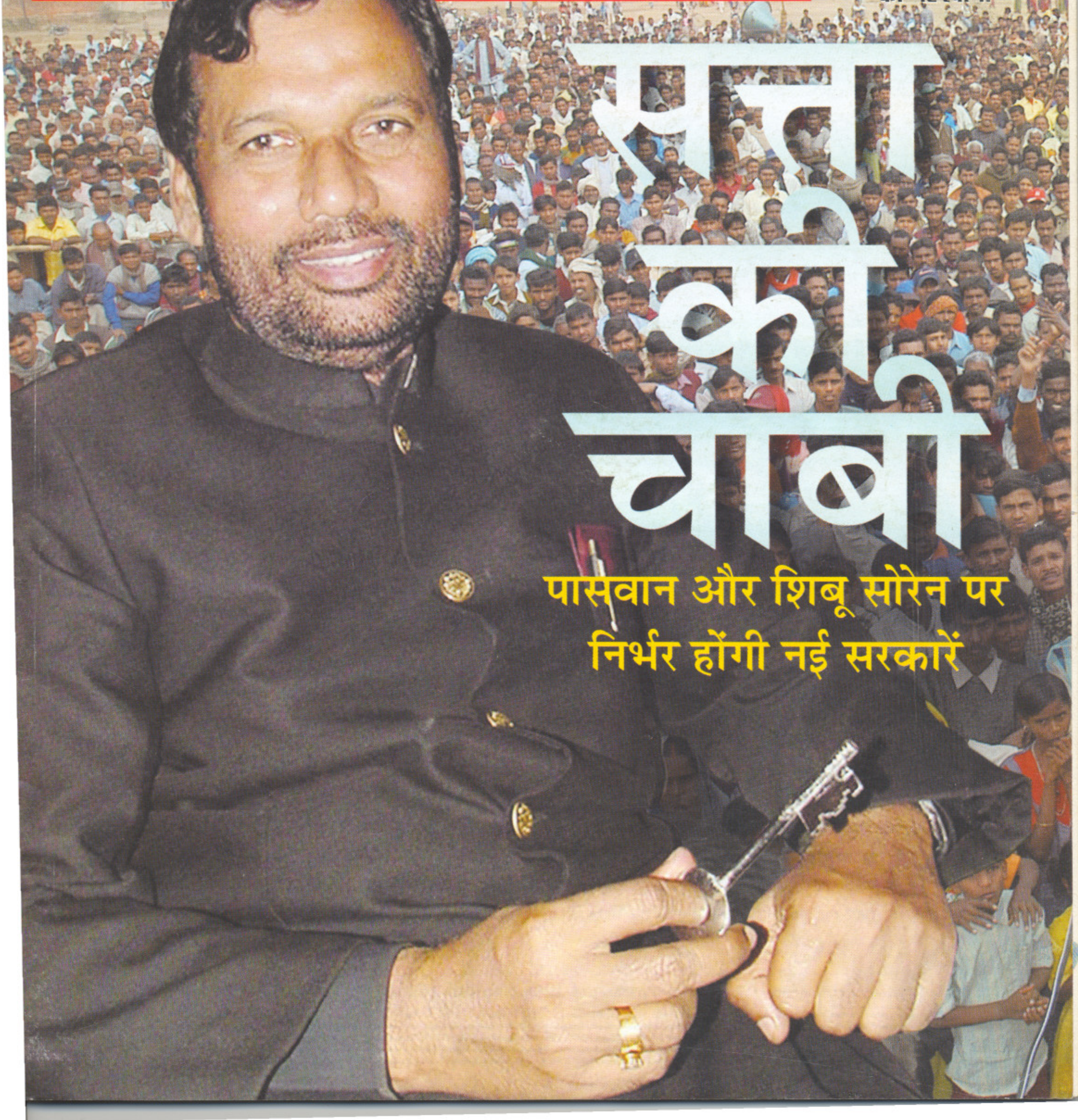

सत्ता की चाबी

पासवान और शिबू सोरेन पर निर्भर होंगी नई सरकारें

टूटती उम्मीदों के बीच बंधी आसा

अधिकारियों की ड्योढ़ी, क्लर्कों की मेजों और फाइलों के गुबार में फंसकर आम आदमी की शिकायतें और उम्मीदें दम तोड़ देती हैं। ऐसे में कुछ लोक सेवक जब लीक से हटकर सोचते हैं तो निस्संदेह आम जन को राहत पहुंचती है। सीतापुर जिले के प्रशासनिक अमले द्वारा शुरू की गई 'लोकवाणी' कार्यक्रम ऐसी ही एक योजना है। इस योजना के तहत जिले के तकरीबन समूचे प्रशासन को इंटरनेट के माध्यम से आम आदमी तक पहुंचा दिया गया है।

यह योजना जिलाधिकारी आमोद कुमार, उप

छाया: निराला त्रिपाठी

लोकवाणी केंद्र में शिकायत दर्ज कराते लोग

जिलाधिकारी देवेंद्र पांडेय तथा जिला सूचना अधिकारी अमरपाल सिंह के सम्मिलित प्रयासों से परवान चढ़ पाई। अमरपाल सिंह कहते हैं, 'इस योजना के तहत इंटरनेट पर विभिन्न योजनाओं की जानकारी, फॉर्म, विभिन्न कार्यों की सूची, शिक्षा, रोजगार तथा भू-अभिलेख के बाबत जानकारियां दी हुई हैं। कंप्यूटर के माध्यम से ही किसी भी विभाग, अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। गलत शिकायत दर्ज कराए जाने पर शिकायतकर्ता के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 182 के अंतर्गत कार्रवाई का भी प्रावधान है। शिकायतें दर्ज करने के लिए जिले, तहसीलों एवं ब्लॉक स्तर पर निजी साइबर कैफे को कियॉस्क संचालकों का दर्जा दिया गया है। जिले के अधिवक्ता अरविंद मिश्र का कहना है, 'ज्यादातर लोग कम पढ़े-लिखे हैं। शिक्षा और बिजली की कमी से इंटरनेट का फायदा अधिक नहीं हो पा रहा है। लेकिन ऐसे प्रयासों से लोगों में उम्मीदें जगी हैं।' ●

संवाददाता